

नवद्यत्र के छठे दिन कट्ठे देवी कात्यायनी के दर्शन-पूजन, काशी में यहाँ विद्युती हैं ना

धर्म की नगरी काशी में 9 देवियों के मंदिर स्थित हैं। नवद्यत्र की षष्ठी तिथि को माता कात्यायनी देवी के दर्शन-पूजन का विधान है। इनका मंदिर सिंधिया घाट पर स्थित है।

समाज जागरण वाराणसी

वाराणसी। धर्म की नगरी काशी में शारदीय नवद्यत्र की भूमि है। नवद्यत्र की पांची तिथि को देवी कात्यायनी के दर्शन का विधान है। इनका अति प्राचीन मंदिर सिंधिया घाट पर स्थित है। मान्यता है कि दुर्गा पश्ची के दिन माता का दर्शन करने वाले भक्तों पर उनकी कृपा हमेशा बनी रहती है। नवद्यत्र के छठे दिन यहाँ भक्तों का रेला उमड़ा हुआ है। भक्त मंगला आरती के बाद से माता के दर्शन करना निहाल हो रहे हैं।



प्रदान करता है। माता का भव्य मंदिर काशी के अलावा वृन्दावन में स्थित है। माना जाता है कि भगवान् कृष्ण को पति के रूप में पापों के लिए गोपियों ने कात्यायनी व्रत रखा था।

मां कात्यायनी को पसंद है शहद

मां कात्यायनी ने देवताओं की प्रार्थना सुनकर महाशय सुर से युद्ध किया। महिसासुर से

युद्ध होता है। मान्यता है कि जो

कन्या माता को 7 मंगलवार दही-हल्दी लगाती है उसकी विवाह बाया अवश्य ही दूर हो जाती है।

काशी के अलावा वृन्दावन में मां का है निवास

पुजारी ने बताया कि मां पापों का नाश करती है। मां का यह रूप अतिमान

युद्ध होता है। मान्यता है कि जो

उन्होंने शहद युक्त पान खाया। शहद युक्त पान खाने से मां कात्यायनी की

थकान दूर हो गयी और महिषासुर

का वध कर दिया। कात्यायनी की

साधना एवं भक्ति करने वालों को मां

की प्रसन्नता के लिए शहद युक्त पान

अर्पित करते हैं।

मां का यह रूप अतिमान

करने लगता है।

मान्यता है कि जो

जो लोग मिलकर लान बुक किए थे

लॉन में ही सार्गानी का रस्म चल रहा था। रस्म के बाद

राजशर अपने आधा दर्जन मित्रों के साथ शराब के नशे

में लॉन में धूसा व खाना खाने लगा। वह देख कर दोनों

पक्षों के लोग मना करने लगे जिस पर कहने वाला राजशर व

उपरे दोस्त मारपीट पर आमदार हो गए। मौके पर पहुंची

स्थानीय पुलिस ने लोगों को सम्बाद बुझाकर मामला शांत

किया। पुराना पुल चौकी प्रधारी अंतुल अंजन ने बताया

कि लोगों पर्सी ने आपस में सुख सम्झौता कर दिया है।

लड़की पक्ष धानापुर चौली व लड़का पक्ष संपर्क

करने लगते हैं।

मान्यता है कि जो

जो लोग मिलकर लान बुक किए थे

लॉन में ही सार्गानी का रस्म चल रहा था।

रस्म के बाद बहार तूहार से भी जो लोग लेने के लिए पहुंचे

थे। डायलॉग बोलते वक्त ही बुजुर्ग को हार्ट अटैक आया

मिजारूप। उत्तर प्रदेश के मिजारूप में रामलीला में सीता

स्वर्वरक के दिन अभिनय के दौरान हार्ट अटैक से राजा

का अभिनय कर रहे पापों की मौत हो गयी। जिन्हाँना थाना

क्षेत्र अंगरेज जय मां संतोषी रामलीला समिति द्वारा पिछले

25 वर्षों से रामलीला का आयोजन किया जा रहा है।

सीता स्वर्वरक में राजा के पापों की भूमिका निभा रहे 72

वर्षीय कुंवर बहारु संहें मंच पर अन्य पापों के साथ

अभिनय करने के लिए पहुंचे थे। मध्य पर्सी नहीं हो गयी। जिन्होंने का काम करते थे। उत्तर प्रदेश के लिए वहाँ पहुंचे थे। रामलीला में वे

विधायिका और जातीय निरीक्षकों की विद्युतें बढ़ गई हैं। सोमवार से शुरू नियमित

परिचालन के दौरान अब तक अर्द्धा

एक्सप्रेस, दावर एक्सप्रेस समेत दर्जों

द्वारा के प्लेटफॉर्म संख्या

पांच से दोनों प्लेटफॉर्मों को जोड़ने

की जोड़ा है।

प्लेटफॉर्म फिर नहीं होने से यात्रियों

की बढ़ी विक्रिक दैरें स्टेशन की

वार्ड रीमार्डलिंग के दौरान दोनों

प्लेटफॉर्मों को लोहाता रेलवे स्टेशन

की तरफ को मैन लाइन से कनेक्ट

कर दिया गया लेकिन यहाँ से गाड़ियों

नहीं पर आप आएंगे। लेकिन

छह से नौ पर आएंगे। लेकिन

यहाँ से नहीं पर आएंगे। अर्द्धा

एक्सप्रेस व विद्युत वाहनों की दौरा

नियमित विद्युत व

